केन्द्रीय विदयालय भीमताल

WELCOME

TO

THE E - MAGZINE

OF

KENDRIYA VIDYALYA

BHIMTAL

From the Desk of the Principal (Mrs. Poonam Pandey)

The More I learn, I realize how little I know.....

In this highly competitive world only they can survive who excel in whatever they do. Always aim at excellence. Seemingly unattainable goals yield before the person who reaches out to them, with determined and disciplined steps. The courage to do right and the will to succeed are the assets of a truly successful man. Hence dare to do right, fear to do wrong.

Educational institutions are the true seats of learning. The students who are really anxious to learn can develop healthy habits only in school. In school we are taught how to interact in society, how to behave with others and how to progress in life. It is our Endeavour at Kendriya Vidyalaya, not only to teach but to instill high moral values and principles, and encourage our children to develop their energies productively and on maturity; they will help to make the world a better and happier for all. I believe we plant in them the high ideals, so they can stand up to face the ugly face of communalism and castism, they can fight corruption and injustice and uphold the honor and integrity of their country.

We believe that education is not about mere imparting knowledge but more about opening children's mind and self expression. I have realized that with a little hard work, some attention from parents, guidance and a pat on the back from teachers makes the process of learning easier, acceptable and more enjoyable for the chilled. Thus the school endeavors to inculcate curiosity and promote learning.

In a nutshell, preparation for life is our main motive of teaching at Kendriya Vidyalaya. We prepare our boys and girls for the tasks and challenges of their lives as adults. It is our ideal to equip our students with the tools with which they can build a healthy and harmonious relationships and a fruitful future.

"Teach the child, if you can the wonder of books…. But also give them quite time to ponder…. The eternal mystery of birds in the sky, bees in the sun, and flowers on a green hillside."

DEPARTMENT ACHIEVEMENTS

MATHEMATICS DEPARTMENT

Students who qualified PRMO 2019 :

1. **VIVEK UPRETI – CLASS XI**
2. **DEEPANSHU KHANKRIYAL – CLASS IX**
3. **AMAN SANGURI - CLASS IX**
4. **NIMESH NEGI – CLASS IX**

EXAMINATION DEPARTMENT

CLASS X –

TOPPER – SANDHYA GIRI – 91.6%

CLASS XII –

TOPPER (COMMERCE STREAM)

– ANUPAMA SINGH – 87.6%

SPORTS DEPARTMENT

Five (05) students are selected for National Level Games and Sports.

02 Girls and 02 Boys for chess :

1. Sonakshi
2. Ishika
3. Piyush
4. Vikas

01 Boy for Volleyball; He got Bronze Medal in National level and selected 1st Standby for SGFI, named :

1.Himanshu Kumawat

SCOUT AND GUIDE

03 students qualifies Pre – Rashtyapati

1. Sakshi Raikwal
2. Sapna Padiyar
3. Himanshu Kumawat

06 students qualifies Tritya Sopan.

Science Department

Two students Bhaumik Tripathi of class 7 and Piyush of class 8 got 1st position in their Theme and got selected for the National congress Science Exhibition on National Level.

ART DEPARTMENT

- Bhaumik Tripathi of Class VI and Mehak Mehra of class X got medal and six(06) Merit certificates from All India KV Drawing Compitition Organized by KV ONGC Rajmundri, AndhraPradesh.
- 03 Students selected for State Level Competition conducted by Energy Conservation, Tehri, Rishikesh.

.

During Land Inspection

Students in various Activities

Students in Games Activities

Students making Painting during Prayatan Parv

On Praytan parv, visited Bheemeshwar Mahadev Temple

SCOUT & GUIDE ACTIVITIES

STUDENT CORNER

सत्य का फल

एक बार विकास नगर के राजा भानु प्रताप के मन में एक बात आई| वह जानना चाहते थे कि जो लोग किसी न किसी अपराध के कारण दंडित किए जाते हैं, उनमें सचमुच कोई पश्चाताप की भावना आती है या नहीं| दूसरे दिन वह राजा अचानक अपने राज्य के बंदी गृह में पहुंच गया और सभी कैदियों से उनके द्वारा किए गए अपराध के बारे में पूछने लगा कि किस कारण से उन्होंने अपराध किया और यहां बंदी ग्रह में कैद हैं| एक कैदी ने कहा:-" राजन! मैंने कोई अपराध नहीं किया है| मैं निर्दोष हूं|" दूसरा बंदी बोला:-" महाराज! मुझे फंसाया गया है| मैं भी निर्दोष हूं|" इसी तरह सभी बंदी अपने आप को निर्दोष साबित करने लगे| फिर राजा ने अचानक देखा कि एक व्यक्ति सिर नीचे किए हुए आंसू बहा रहा था| राजा ने उसके पास जाकर पूछा कि तुम क्यों रो रहे हो? उस व्यक्ति ने बड़ी विनम्रता से कहा:-" हे राजन! मैंने गरीबी से तंग आकर चोरी की थी| मुझे आपके न्याय पर कोई शक नहीं है| मैंने अपराध किया था, जिसका मुझे दंड मिला|" राजा ने सोचा कि दंड का विधान सभी के अंदर प्रायश्चित का भाव पैदा नहीं करता है| लेकिन उन सभी कैदियों में से एक यही ऐसा व्यक्ति है जो अपनी गलती का प्रायश्चित कर रहा है| यदि इस व्यक्ति को दंड से मुक्त किया जाए तो यह अपने अंदर सुधार कर सकता है| इसलिए राजा ने उसे मुक्त कर दिया|

नाम :- अर्जुन साह

कक्षा :- दस

हमारी देहरादून यात्रा

मैं नवी कक्षा में अपनी स्कूल की टीम से देहरादून खो-खो खेलने गया था। मैं अपनी टीम का कप्तान था। वह मेरे लिए बहुत बड़ी बात थी। हम लोग देहरादून के ओ.एल.एफ के.वि. में रुके थे। हमारी यात्रा पांच दिन की थी। वहा का भोजन बहुत स्वादिष्ट था। हमें वहा बहुत मजा आया। हमने वहा कुल चार मैच खेले। चार में से हम सिर्फ एक ही जीते। हम तीन मैच हार गए। क्योकि वहा बहुत अच्छी-अच्छी टीमें आई थी और उनसे हमें बहुत कुछ सिखने को मिला। मैं आखरी में यही कहना चाहता हूँ कि हार जीत से फर्क नहीं पड़ता। हमें ज्यादा से ज्यादा प्रतियोगिता में भाग लेना चाहिए उससे हमें कुछ ना कुछ सिखने को ज़रूर मिलता है।

नाम - आयुष कुमार

कक्षा - दस

गुफा का रहस्य

एक समय की बात है किसी गॉवो , में एक गुफा थी जिसे लोग मौत गुफा के नाम से जानते थे |कोई भी उसके आस पास भी नहीं जाना चाहता था | और ऐसा इसलिए था क्यों की उस गुफा में आज तक जो भी गया था कभी वापस लौट कर नहीं आया | लोग उस गुफा के बारे में सोचकर डर जाते |

अब उस गुफा में लगभग ३०० लोग जा चुके थे और कोई भी लौटकर नहीं आया |उसी गाओं में एक युवक आया | और उसे इन सब बातो पर यकीन नहीं हुआ की आज के ज़माने में ऐसा कही होता है | उसने तय किया वह उस गुफा में जाएगा | पर जैसे ही गाओं के लोगो को ये पता चला की वह युवक उस गुफा में जा रहा है | तो सब उसके घर के पास इक्कठे हो गए और उसे समझने लगे की तुम आखिर क्यों जाना चाहते हो | अगर गए भी तो लौट कर वापस नहीं आ पाओगे|

पर उसने उन सब लोगो की बात नहीं सुनी और अगले दिन सुवह ही वह उस गुफा की तरफ गया | और गुफा में अंदर जाते ही कुछ आगे जाने पर बहुत अँधेरा था | धीरे धीरे वह गुफा में काफी अंदर आ गया | तभी उसके लगा कोई उसका पिच कर रहा है और किसी ने पीछे से उसे धक्का दिया | युवक ने पीछे पाटकर देखा तो वहां ४ आदमी खड़े थे | वो उसे बंद कर एक जगह ले गए | उसने देखा वो जगह बहुत ही अच्छी थी और सभी सुख सुविधायो से सुसज्जित थी |

उन ४ आदमियों ने उसे बतया हम सभी भी इस गुफा में आये थे | पर यहं इतनी सुभिधा देखकर यही रुक गए | तुम्हे डरने के लिए हमने तुम्हे धक्का दिया . और वह युवक भी उसी जगह रुक गया | बाकि गाओं वालो काहां वहम और पक्का हो गया की कोई भी लौटकर नहीं आता उस गुफा से |

~हितेश साँगुडी

घायल कुत्ता और फकीर

एक बार एक फकीर हज यात्रा के लिए जा रहा था तो उसने रास्ते में एक कुत्ते को जख्मी हालत में देखा| उसके चारों पांव पर से गाड़ी गुजर गई थी| और वह चल नहीं सकता था| फकीर को रहम आ गया, लेकिन उसने सोचा कि मैं तो काबे को जा रहा हूं| इसलिए इसको कहां लिए फिरूंगा| फिर फकीर को ख्याल आया कि लेकिन इसका यहां कौन है? कौन इसकी मदद करेगा? और फकीर के मन में दया आ गई| फकीर ने कुत्ते को किसी कुए पर ले जाने के लिए उसे उठा दिया ताकि पानी से उसके जख्मों को धो कर उस पर पट्टी बांध दें| फकीर को इस बात की भी चिंता नहीं थी कि कुत्ते के जख्मों से बहुत खून बह रहा है और उसके कपड़े खराब हो जाएंगे| उस समय वह एक रेगिस्तान से गुजर रहा था| वहां उसने एक वीरान कुआं देखा| परंतु उस कुवे से पानी निकालने के लिए कोई रस्सी या डोल वगैरह नहीं था| उसने दो चार पत्ते इकट्ठे करके एक दोना बनाया| अपनी पगड़ी से बांधकर उसे कुएं से लटकाया| पानी, कुएं में बहुत नीचे था|

दोना वहां तक पहुंच नहीं सका| उसने साथ में अपनी कमीज बांध दी, लेकिन दोना फिर भी पानी की सतह तक नहीं पहुंच पाया| उसने इधर उधर देखा लेकिन कोई नजर नहीं आया| फिर उस फकीर ने अपनी सलवार उतार कर बांध दी| तब वह दोना पानी तक पहुंच गया| उसने दो चार दोने भरकर कुत्ते को पिलाये|पानी पीते ही कुत्ते को होश आ गया| फकीर ने कुत्ते के जख्मों को भी पानी से धोकर साफ कर दिया और कुत्ते को उठाकर चल दिया| रास्ते में एक मस्जिद थी| उस फकीर ने मुल्ला जी से कहा कि तुम इस कुत्ते का ख्याल रखना| मैं काबे को जा रहा हूं| आकर इसे ले लूंगा| रास्ते में जाते जाते उसको रात हो गई| जब वह रात को सोया तो एक आकाशवाणी हुई:-" ऐ नेक फकीर! तेरा हज कुबूल हो गया है| अब चाहे तुम हज पर जाओ या मत जाओ यह तुम्हारी मर्जी है"|

नाम :-कार्तिक

कक्षा :- दस

एक गरीब किसान की कहानी

एक गांव में एक किसान रहता था| वह एक कुआं खोदना चाहता था| एक दिन उसने कुआं खोदना शुरू किया| कुछ फीट तक खुदाई करने पर भी जब उसे पानी नहीं दिखाई दिया तो वह निराश हो गया| फिर उसने दूसरी जगह खुदाई की किंतु पानी कहीं पर भी नहीं निकला| इस तरह 6-7 जगहों पर उसने खुदाई की, किंतु उसे पानी नसीब नहीं हुआ| फिर वह बहुत दुखी और निराश होकर घर लौट गया| अगले दिन उसने सारी बात एक बुजुर्ग व्यक्ति को बताई | उस व्यक्ति ने उसे समझाते हुए कहा:- "तुमने पांच अलग-अलग जगहों पर 6-7 फुट के गड्ढे खोदे लेकिन फिर भी तुम्हें कुछ हाथ नहीं लगा| यदि तुम अलग-अलग जगह पर खुदाई न करके एक ही स्थान पर इतना खोदते, तो तुम्हें पानी अवश्य मिल जाता| तुमने धैर्य से काम नहीं लिया और थोड़ा-थोड़ा खोदकर अपना निर्णय बदल लिया| आज तुम एकाग्रता से एक ही स्थान पर गड्ढा खोदो और जब तक पानी दिखाई नहीं दे तब तक खोदना जारी रखना| तुम्हें सफलता जरूर मिलेगी|" उस दिन किसान ने दृढ़ निश्चय करते हुए एक बार फिर खुदाई शुरू कर दी| लगभग 25-30 फुट की खुदाई हो जाने पर खेत से पानी निकल आया| यह देखकर किसान बहुत खुश हुआ और मन ही मन उस व्यक्ति का धन्यवाद करने लगा

सीख:- यदि किसी कार्य को पूरी एकाग्रता के साथ किया जाए तो उसमें सफलता जरूर मिलती है

नाम:- **वरुण थापा**

कक्षा:- **दस**

पहेलियाँ

1. हरा चोर ,
   लाल माकन ,
   इस में छिपा है
   काला पठान

2 . जल से उपजा पेड़ एक
   पत्ते नहीं, डाल अनेक
   उसके नीचे शीतल छाया
   पर नीचे कोई बैठ न पाया

3. मुँह से कुछ भी बोल न पाती
   कान नहीं कुछ सुन न पाती
   बिन आँखो की हैं पर
   फिर भी सब को यह दिखाती

4. बिन धोए सब खाते हैं
   खाकर भी पछताते हैं
   बोलो ऐसी चीज़ है क्या
   कहते समय शर्माते हैं

उत्तर:- 1:तरबूज ,2 :फव्वारा ,3 :पुस्तक ,4 :धोका

नाम:- **वरुण थापा**

कक्षा:- **दस**

BINARY DIGIT

- 8 BIT = 1 BYTE
- 1024 BIT = 1 KILO BYTE
- 1024 KILO BYTE = 1 MEGA BYTE
- 1024 MEGA BYTE = 1 GIGA BYTE
- 1024 GIGA BYTE = 1 TEGA BYTE
- 1024 TEGA BYTE = 1 PETA BYTE
- 1024 PETA BYTE = 1 EXA BYTE
- 1024 EXA BYTE = 1 ZETA BYTE
- 1024 ZETA BYTE =1 YOTA BYTE
- 1024 YOTA BYTE = 1 BRONTO BYTE
- 1024 BRONTO BYTE = 1 GEOP BYTE

ISHIKA UPRETI

CLASS –XI

मेरा भारत महान

मेरा भारत महान ,सबसे ऊची इसकी शान है

अलग-अलग धर्म के लोग है यहा रहते

यही इसकी पहचान है ,क्योंकि भारत देश हमारी जान है

एकता का प्रतीक है भारत, उन्नति की पहचान है

करनी है हमको इसकी रक्षा, क्योंकि भारत हमारी शान है

देश हमारा है सबसे पहले , हम इसकी संतान है

क्योंकि मेरा भारत महान है

भेद –भाव मिटाकर सबने हाथ मिलाया है

भारत माता की हो जय यही हमारा नारा है

क्योंकि मेरा भारत देश बहुत प्यारा है

देश की सेवा करना यह हमारा कर्तव्य है

जागो , बहरतियो ,जाओ भारत माँ ने हमे पुकारा है

करेंगे हम इसकी रक्षा ,मन में यही ठाना है

भारत को स्वर्ग बनाना, पहला खवाब हमारा है

भारत माँ ने हमको पुकारा है

- अनुष्का , कक्षा -11

BOOK REVIEW

NAME OF THE BOOK – BLACK BEAUTY

NAME OF THE AUTHOR – SEWELL, ANNA

ACC. NO – 2017

PUBLISHER AND PLACE – ORIENT BLACKSWAM EASY READER, DELHI

I.S.B.N NUMBER – 978-8125-0257-71

REVIEW

The book is an autobiography from the point of view of the titular horse, named black beauty. Firstly the book deals with birth of beauty in a meadow, his time spent as a foal with his mother and where she advise him to behave well to be treated well. Then she is sold to the Squire Gordon who is a horse lover and cares very well for his animals. Here he meets the grooms named John manly and James Howard who are loving, neat and efficient. The three years were spent happily and makes friends with the other horses: Ginger, Merrylegs and Sir Oliver. This pleasant life ends with the beginning of the second part where beauty is sold ,along with Ginger to Earlshall Park .The life is harder there and the painful bearing rein is used on the horses, A riding accident causes his knees to be ruined and he is sold as a job horse to a new master who cannot take the trouble of rearing a horse and sells him again .Next beauty is sold to a

hardworking cab driver called Jerry on the runs in the streets he meets his friend Ginger who is miserable due to the harsh treatment meted out to her and subsequently he watches her corpse being carted away a few months later . Jerry falls ill and beauty is sold again. The horse then passes from one master to another, most of whom overwork and mistreat him till at last he is sold to the Bloomfield family for whom his old groom Joe Green is working ,

Green recognizes beauty and he lives out his last days in peace and happiness.

MORAL OF THE BLACK BEAUTY

We should be kind and understanding towards the animals feeling because they could also suffer if we mistreated them.

By

Payana Joshi

VII

TEACHER CORNER

द्वंद

इतना मत दौड़ ,

नहीं तो तू मर जायेगा

और उम्र से पहले

पत्नी को विधवा, बच्चे यतीम कर जायेगा |

अरे ! नहीं दौड़ेगा तो तू क्या खायेगा ?

और बिना खाए कैसे जी पायेगा ?

फिर तू अकेला तो नहीं

तेरा घरबार हैं ,

माँ बूढी बाप लाचार हैं

तू मर गया तो क्या !

ये सब बच जायेंगे ?

इनका भविष्य इनके सपने मर जायेंगे

इसलिए तू दौड़, जितना हो सके दौड़

क्यूंकि तेरी मौत तो दोनों और निश्चित है

मेरे दोस्त

चाहे तू दौड़ता रहे चाहे तू रुक जाये .....

द्वारा : - डॉ विधि बिष्ट,

टी जी टी (कला)

श्रीमती सुशीला रावत की कलम से.....

मैं एक फौजी परिवार की बेटी ही नहीं बल्कि बहन भी हूं | मेरे तीन भाइयों ने अपने तन मन और धन से फौज की सेवा की है|

मेरा एक भाई अभी भी फौज में कार्यरत है| मेरा भाई लद्दाख में पोस्टेड था, बार-बार विनती करने के बाद मेरी भी इच्छा अपने भाई की कार्यशैली और लद्दाख देखने की हुई इसीलिए मैं अपने परिवार के साथ अपने गंतव्य स्थल को निकल पड़ी| दिल्ली से लद्दाख की यात्रा तो बड़ी आनंदमई रही| ऊपर उड़ान भरने पर मुझे ग्रेटर हिमालय की अद्भुत झलक देखने को मिली| मीलों तक फैली हिमाच्छादित पहाड़ियां! यह मुझे किसी सपने की तरह लग लग रहा था| लेह पहुंचे तो तापमान दिल्ली के मुकाबले काफी सर्द था| खैर मन में उल्लास भी था अपने छोटे भाई से मिलने का | भाई ने हमें ले जाने के लिए एक गाड़ी भेजी थी| नजारा देखते हुए हम कब "खर्दुन्गला (के-2)" एशिया की सबसे ऊंची मोटरेबल रोड पहुंच गए पता ही नहीं चला| बाहर निकले तो चारों तरफ बर्फ ही बर्फ थी, कड़ाके की ठंड और उसके आगे सांस लेने में भी परेशानी होने लगी और साथ में तेज हवा भी चल रही थी| भाई के निवास पहुंचकर मुझे और बेटी को ऑक्सीजन देना पडा तब जाकर कहीं आराम मिला| वहां गर्मी में भी काफी ठंड थी और चारों और ठंडा रेगिस्तान, ना पौधे, ना पेड़ बस रेत ही रेत| तब एहसास हुआ कि कैसे हमारे फौजी भाई विषम परिस्थितियों में अपने परिवार से दूर रहकर भी अडिग प्रहरियों की तरहहम सब की रक्षा करते हैं| भाई ने हमें उन जगहों में घुमाया जहां आम नागरिक नहीं पहुंच सकते जैसे :- "रोड

जीरो", "सियाचिन ग्लेशियर","बहादुर कैंप" और भी कई दुर्गम स्थान | फौजी भाइयों से बात की तो उनकी परेशानियों को देखकर आंखें नम हो गईं और सिर स्वतः ही उनके आगे झुक गया| ऐसे वीर जिन्होंने हमारे आज के लिए अपना कल न्योछावर कर दिया| यह मेरे जीवन का सबसे रोमांचक और अद्भुत संस्मरण है, जिसे मैं ना तो भूल सकती हूं और ना ही भूलूंगी | हम पांच छः डिग्री तापमान में ही परेशान हो जाते हैं, लेकिन हमारे वीर बॉर्डर में -40 डिग्री तापमान में भी मुस्कुराते हुए और चारों ओर दुश्मनों से घिरे होने के बाद भी हमारी हिफाजत करते हैं| नमन है ऐसे वीरों को जय हिंद , जय जवान जय भारत|

पहाड़ो से समुन्द्र तक....

समुन्द्र फैला हुआ था जहाँ तक भी नज़र जाती, और फिर कहीं दूर अनंत में ऐसा लगता जैसे समुद्र और आसमां मिल रहे है |

ये कुछ और नहीं बस इस प्रकृति का एक और खुबसूरत नज़ारा था |

जहाँ बर्फ से ढकी पहाड़ियाँ और पहाडियों के बीच कोहरे से बनी नदियाँ, मानो एक शान्त चुप चाप सी नदी बह रही हों ....

कितना खुबसूरत नज़ारा है जहा तक भी नज़र जाएँ ,

चाहे वह समुद्र से आसमां का मिलना हो या कोहरे से बनी नदियों का..

उस समय मानो समय थम जाये ....

पर ना यह समय थमता है , ना समुन्द्र आसमां का मिलन होता है ना कोहरे से बनी नदियाँ होती है |

और एक वक़्त पर आ कर हमें सच का अहसास हो ही जाता है...

की हमें समय के साथ ही चलना है कहीं रुकना नहीं हैं ,

बस चलते जाना है |

प्रस्तुति द्वारा :

मोनिका

पी जी टी (संगणक विज्ञान)

इंटरनेट सुरक्षा

वर्तमान में आप और हम सभी इंटरनेट का किसी न किसी तरह प्रयोग कर रहे हैं | टिकट बुकिंग करनी हो, धन का लेन देन या किसी भी वस्तु विशेष की जानकारी प्राप्त करनी हो, इंटरनेट ने यह सभी बहुत आसान कर दिया है| आज की दुनिया में इंटरनेट का प्रयोग हमारे लिए कितना आवश्यक है यह हम सब भलीभाँति जानते हैं परंतु क्या हम सब ये जानते हैं कि इसका उपयोग करने में हमे सावधान रहना भी उतना ही जरूरी है ? जगह- जगह बढ़ते जा रहे साइबर क्राइम आज कल आम हो गए हैं | इसका मुख्य कारण हमारे द्वारा इंटरनेट प्रयोग करते हुए सावधानी न बरतना ही है | अब आप सब सही सोच रहे हैं की यह कैसी सावधानी है जिनको बरतना इतना आवश्यक है अथवा जिन सावधानियों को रखने से हम इंटरनेट पर खुद को सुरक्षित रख सकते हैं ? तो यहाँ मैं उनमे से कुछ अति महत्वपूर्ण सावधानियों के बारे में बात करूंगा |

1. **पर्सनल इन्फॉर्मेशन को इंटरनेट में शेयर न करना :-** सोशल-मीडिया हो या कोई और प्लेटफॉर्म हम सब अपनी अति-गोपनीय इन्फोर्मेशन सभी के लिए आम कर देते हैं जैसे हमारे मोबाइल नंबर, हमारी जन्म तिथि, घर का पता, पहचान पत्र इत्यादि | एक साइबर हैकर हमारी इन्हीं संवेदनशील जानकारियों का गलत तरीकों से इस्तेमाल कर सकता है | इसीलिए हमें अपनी संवेदनशील जानकारियाँ किसी भी ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर आम नहीं करनी चाहिए|
2. **कठिन पासवर्ड (STRONG PASSWORD):-** आजकल कई लोगों द्वारा हमने यह सुना है कि हमारा अकाउंट हैक हो गया या हमारी ईमेल आई-डी कोई और इस्तेमाल कर रहा है | इसका प्रमुख कारण है इनमें इस्तेमाल किया गया आसान पासवर्ड जिसे डिकोड करना बहुत आसान होता है | इस से बचाव के लिए हमें अपना पासवर्ड कठिन रखना अनिवार्य है | अब यह

कठिन पासवर्ड है क्या? यहाँ कठिन पासवर्ड का मतलब है वह पासवर्ड जिसमे लोअर लेटर (lower letter) , केपिटल लेटर (CAPITAL LETTER), नंबर (Number) व स्पेशल करेक्टर (Special characters like _,@,#,$,%,^,!,*) का इस्तेमाल हो उदाहरण के लिए यदि मैं अपना पासवर्ड "nitinpant" रखता हूँ तो इसको डिकोड करना अत्यंत सरल होगा परंतु यदि में अपना पासवर्ड "N!t1nP@nt" रखूँ तो यह पासवर्ड एक स्ट्रॉग पासवर्ड होगा क्योंकि इसमे सभी प्रकार के करेक्टर और स्पेशल करेक्टर तथा नंबरों का प्रयोग किया गया है | एक हैकर के लिए इस प्रकार के पासवर्ड को डिकोड करना आसान नहीं होता |

3. **फ्री वाईफाई के इस्तेमाल से बचें:-** आप और हम सभी स्मार्ट फोन यूजर हैं इस पर यदि कहीं से फ्री ओपेन हॉट-स्पॉट मिल जाये तो हम फूले नहीं समाते और तुरंत कनेक्ट कर इंटरनेट का इस्तेमाल करना शुरू कर देते हैं जो कि अत्यंत खतरनाक हो सकता है | आप सभी लोग शेयर-इट ऐप के बारे में जानते होंगे जिसके द्वारा आप अपनी वस्तुओं का आदान प्रदान आसानी से कर सकते हैं यह ऐप आपके फोन के हॉट स्पॉट और वाईफाई पर ही काम करता है जिसका अर्थ है हॉट स्पॉट और वाईफाई के जरिये आपका डेटा एक फोन से दूसरे फोन जा रहा है | इस से यह समझना कितना आसान है कि यदि आप किसी का फ्री हॉट-स्पॉट यूज कर रहे हैं तो वो आसानी से आपके फोन से आपकी महत्वपूर्ण जानकारी चुरा सकता है | जब आप किसी नेटवर्क से कनेक्ट होते हैं तो आपके फोन और उस नेटवर्क में जानकारियों का आदान प्रदान आसानी से हो सकता है यदि आप गूगल-पे, पेटीएम, फोन-पे आदि का इस्तेमाल करते हैं तो कभी भी फ्री वाई फाई का इस्तेमाल न करें वरना आपके मोबाइल में आने वाला ओटीपी भी सुरक्षित नहीं रहेगा|
4. **सुरक्षित वेबसाइट से ही खरीद करें :-** इस दौड़ भाग भरी ज़िंदगी में हमारे पास इतना वक्त नहीं है कि हम बाज़ार जाएँ और सामान ले कर आयें इसलिए ऑनलाइन खरीद करना आजकल बच्चों का खेल हो गया है|

ऑनलाइन खरीद करते समय हम ऑफर के पीछे भागने लगते हैं | हम कभी-कभी यह भी देखना भूल जाते हैं कि यह वेबसाइट सुरक्षित है भी कि नहीं | सुरक्षित वेबसाइट में वेबसाइट के नाम से पूर्व https://(HYPER TEXT TRANSFER PROTOCOL SECURE) लगा होता है जहां s का मतलब होता है secure जिसका मतलब है की इस वेबसाइट को इस्तेमाल करना सुरक्षित है | हमें सदैव ऐसी ही वेबसाइट का इस्तेमाल करना चाहिए | किसी भी सामान की ओनलाइन पेमेंट करते समय भी हमें वर्चुअल किबोर्ड का इस्तेमाल करना चाहिए |

5. **सावधानी से डाऊनलोड करें :-** आजकल हम सब ऐप, गेम, संगीत, मूवीज ऑनलाइन डाऊनलोड करना चाहते हैं ऐसे में हमे यह ध्यान रखना चाहिए की डाऊनलोड हम किसी विश्वसनीय वेबसाइट से ही करें अन्यथा किसी डाऊनलोड हुए फाइल के साथ वाइरस भी आपके कंप्यूटर अथवा फोन में आ सकता है जिस से आपकी महत्वपूर्ण जानकारी अथवा फ़ाइल खराब हो सकती है|

इन कुछ छोटी छोटी बातों को ध्यान में रख कर हम खुद को इंटरनेट पर सुरक्षित रख सकते हैं|

द्वारा - श्री नितिन पन्त
संगणक प्रशिक्षक